28वीं वार्षिक रिपोर्ट
2010-11

ह.स.कं.क.

HSCC

एच एस सी सी (इंडिया) लि.

(भारत सरकार का उद्यम)

(एक मिनी रत्न कम्पनी)

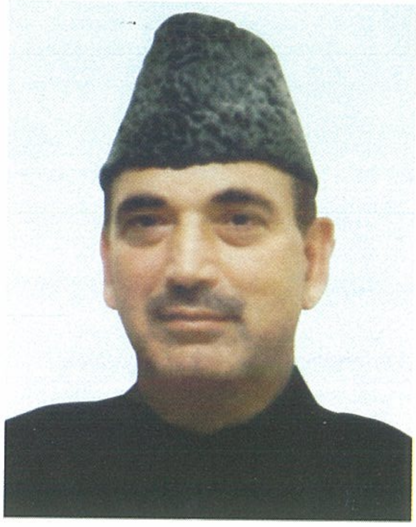

श्री गुलाम नबी आजाद
माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य
एवं
परिवार कल्याण मंत्री

श्री सुदीप बंद्योपाध्याय
माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य
एवं
परिवार कल्याण राज्य मंत्री

श्री एस. गांधीसेल्वन

मानननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य
एवं
परिवार कल्याण राज्य मंत्री

सभा निदेशक

श्री वी. सी. शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्रीमती धरित्री पण्डा
मुख्य लेखा नियंत्रक
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

श्री बी. के. प्रसाद
संयुक्त सचिव
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

श्री ज्ञानेश पाण्डेय
निदेशक (इंजीनियरिंग)

परामर्शदाता, अभियंता, परियोजना प्रबंधन सेवाओं का वर्णक्रम

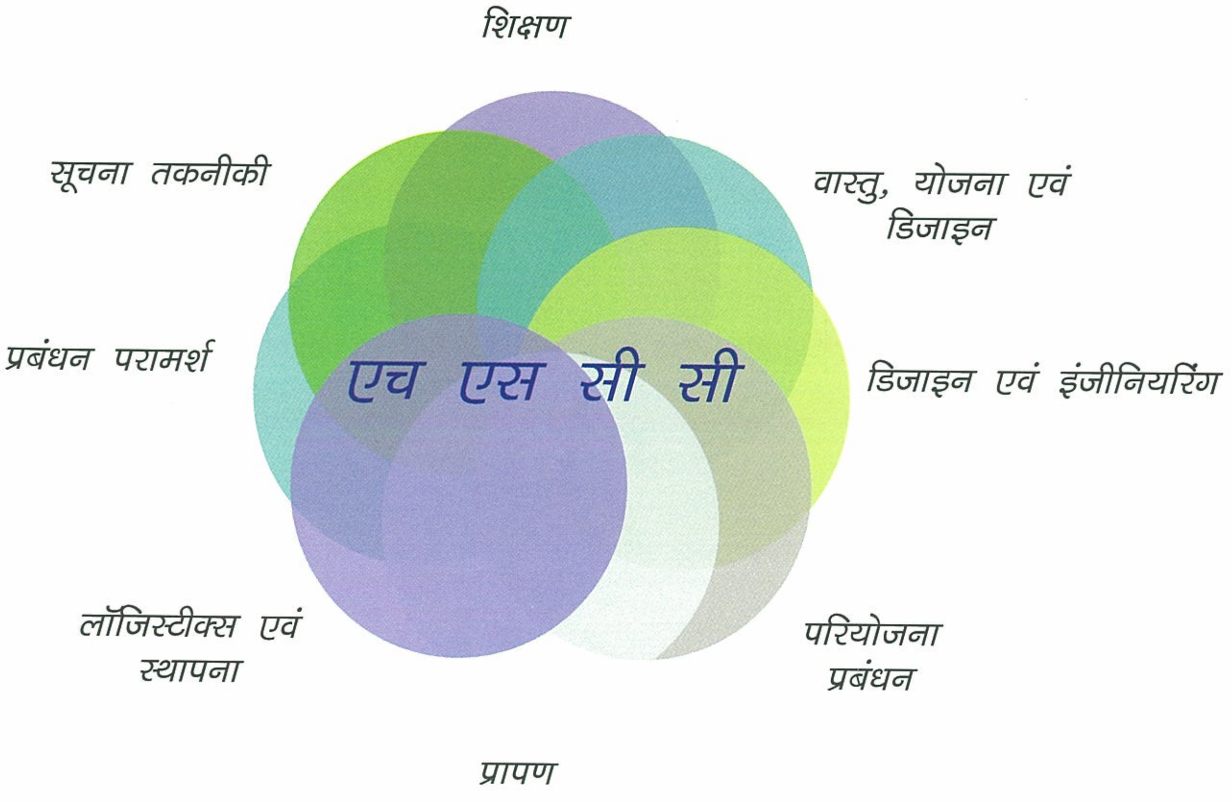

विषय-सूची

एच एस सी सी के कार्यालय	1
निदेशक मंडल	2
अध्यक्ष महोदय का भाषण	3
दृष्टि, उद्देश्य, कॉरपोरेट मूल्याकंन, कॉरपोरेट गुणवत्ता नीति	6
सेवा वर्णक्रम	7
वित्तीय सारांश	8
कार्य निष्पादन पर एक नजर	9
निदेशक मंडल की रिपोर्ट	10
सचिवालय लेखा परीक्षकों का अनुपालन प्रमाण पत्र	29
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां	37
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	39
31.03.2011 को तुलन पत्र	44
31.03.2011 को समाप्त वर्ष का लाभ एवं हानि लेखा	45
अनुसुचियां 1 - 13	46
लेखा संबंधी महत्वपूर्ण नीतियां	54
लेखों पर टिप्पणियां	58

एच एस सी सी के कार्यालय

पंजीकृत कार्यालय :

205 (द्वितीय तल), ईस्ट एण्ड प्लाजा,
प्लॉट न. 4, डी. डी. ए. - एल. एस. सी., सेंटर - II
वसुंधरा इन्कलेव ,
दिल्ली - 110096

कॉरपोरेट कार्यालय :

ई - 6 (ए) , सैक्टर - 1 ,
नौएडा - 201301 (उत्तर प्रदेश)

अन्य एकक कार्यालय :

कारोबार एकक - प्रापण,
कृभको भवन, चतुर्थ तल,
सैक्टर - 1,
नौएडा - 201301 (उत्तर प्रदेश)

प्रमुख साइट कार्यालय

1. डिकोया, श्री लंका में डिस्ट्रीक्ट जनरल अस्पताल
2. उत्तर पूर्वी इन्दिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थान, शिलांग
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडीसिन, बैंगलूर
4. प्रयोगशाला एवं पशु-आलय, क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, डिब्रुगढ़
5. लाला राम स्वरूप क्षयरोग एवं संबंद्ध रोग संस्थान, नई दिल्ली
6. आई. सी. एम. आर. (IC MR) पूणे हेतु बी. एस. एल. - 4 की प्रयोगशाला
7. संजय गांधी स्नात्तकोत्तर चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ
8. कोलकत्ता मेडिकल कॉलेज, कोलकत्ता
9. निज़ाम चिकित्सा विज्ञान संस्थान, हैदराबाद
10. भारतीय जैविक रासायनिक संस्थान, कोलकत्ता
11. एम्स समानार्थी संस्थान हेतु हाऊसिंग कम्पलैक्स, राजयुर
12. एम्स समानार्थी संस्थान हेतु हाऊसिंग कम्पलैक्स, भुवनेश्वर
13. राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
14. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली

निदेशक मडंल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री वी. सी. शर्मा

निदेशक

श्री नावेद मसूद, 04.08.2011 तक
श्रीमती धरित्री पण्डा, 04.08.2011 से
डा. आर. एस. शुक्ला, 19.01.2011 तक
श्री बी. के. प्रसाद, 19.01.2011 से
डा. एस. एन. पाल, निदेशक (इंजीनियरिंग) (31.05.2011 तक)
श्री ज्ञानेश पाण्डेय, निदेशक (इंजीनियरिंग) (01.06.2011 से)

कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) एवं कम्पनी सचिव

श्री ए. के. अग्रवाल

वरिष्ठ कार्यकारी

श्री ए. के. अग्रवाल	–	कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा)
	–	मुख्य सतर्कता अधिकारी
श्री डी. आर. नूना	–	मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन प्रबंधन एवं विधि)
	–	सार्वजनिक सूचना अधिकारी
श्री एस. के. माथुर	–	मुख्य महाप्रबंधक (सिविल एवं कारोबार विकास)
श्री एस. ए. उस्मानी	–	मुख्य महाप्रबंधक (डिजाइन समन्वय)
श्री जे. पी. बहल	–	मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा तथा प्रापण)
श्री आर. एस. रैना	–	महाप्रबंधक (परियोजना वर्ग – I)
श्री अनिल कुमार	–	महाप्रबंधक (परियोजना वर्ग – III)
श्री वी. वी. गोविन्दा राव	–	महाप्रबंधक (सिविल)
डा. नीरजा एल. सेठी	–	महाप्रबंधक (वास्तु.)

सांविधिक लेखा परीक्षक

मैसर्स जिंदल एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार,
3803, डेविड स्ट्रीट,
दरिया गंज,
नई दिल्ली – 110002

आंतरिक लेखा परीक्षक

मैसर्स एम. के. अग्रवाल एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार,
30, निशांत कुंज,
पीतम पुरा,
नई दिल्ली – 110034

सचिवालीय लेखा परीक्षक

मैसर्स हरबंस लाल एण्ड कम्पनी
59 / 1, जनक पैलेस,
न्यू मार्किट,
(नजदीक लिबर्टी सिनेमा)
न्यू रोहतक रोड़,
नई दिल्ली – 110005

बैंकर्स

इंडियन ओवरसीज बैंक
केनरा बैंक
पंजाब नेशनल बैंक
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
बैंक ऑफ बड़ौदा
भारतीय स्टेट बैंक
सिंडिकेट बैंक
यूको बैंक
कॉरपोरेशन बैंक

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से ...

प्रिय अंशधारकों,

मुझे आपकी कम्पनी की 28वीं वार्षिक आम सभा बैठक में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा अपनी ओर से आप सभी का स्वागत करते हुये अपार हर्ष हो रहा है। बधाई हो, आपकी कम्पनी ने सफलता, समृद्धि और उपलब्धियों से भरा एक और वर्ष पूरा कर लिया है। आपकी उपस्थिति हमारे आत्म-विश्वास के स्तर को बढ़ाकर, हमें आपकी उम्मीदों को पूरा करने का संकल्प प्रदान करती है। आपकी कम्पनी की 31 मार्च, 2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट के साथ निदेशकों की रिपोर्ट, आडिट किये गये वार्षिक लेखों और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट आपकी आज्ञा से मुझे आपके सम्मूख रखने का शौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुझे आपको सूचित करते हुये खुशी हो रही है कि 31 मार्च, 2011 की समाप्ति तक आपकी कम्पनी ने समस्त क्षेत्रों एवं कार्यकलापों में निरन्तर प्रगति की है। गत वर्ष कुल आय 3346 लाख रुपये के मुकाबले इस वर्ष 3315 लाख रुपये का अधिकतम लाभ हुआ है जोकि अब तक की उच्चतम आय है तथा गत वर्ष का परामर्श शुल्क 2311 लाख रुपये से बढ़कर 2138 लाख रुपये और गत वर्ष का कर पश्चात लाभ (Profit After Tax – PAT) 1321 लाख रुपये से बढ़कर 1346 लाख रुपये हो गया है, यह संदिग्ध डेबिटों, ऋणों तथा अग्रिमों को कम करके 205.17 लाख रुपये द्वारा उन्हें ह्रासित करने तथा लागत को उच्चतम माध्यम से कम करने से हुआ है। कम्पनी की आरक्षित एवं सरप्लस (Reserves & Surplus) पूंजी भी अब तक की सबसे उच्चतम राशि से बढ़कर 7631 लाख रुपये एवं नेटवर्थ (Net Worth) बढ़कर 7872 लाख रुपये हो गया है।

बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने गत वर्ष की भांति वर्ष 2010-11 हेतु 172.81 लाख रुपये राशि के 72% लाभांश की संस्तुति की है। जबसे एच एस सी सी का सुत्रपात हुआ है इसकी अच्छी वित्तीय स्थिति के कारण संचयी लाभांश 2290.14 लाख रुपये पर स्थिर है। कम्पनी पिछले छब्बीस वर्षो से लगातार लाभप्रद रहकर लाभांश दे रही है। सितम्बर, 1999 से एच एस सी सी लगातार " मीनि रत्न " होने की उपाधि को बनाये हुये है। तदनुसार, यह संभावना की जा रही है कि वर्ष 2010-11 के लिये भी, समझौता ज्ञापन (MOU) के मूल्याकंन अनुसार एच एस सी सी को स्वंश्रेष्ठ (Excellent) होने का दर्जा मिलेगा।

वर्ष के दौरान कम्पनी को विभिन्न उत्कृष्ट परियोजनाओं में परामर्श-सेवा करने हेतु डिजाइन एवं इंजीनियरिंग, परियोजना तथा प्रापण प्रबंधन इत्यादि कार्य, पंजाब राज्य में 40 चुनौतीपूर्ण अस्पताल परियोजनाओं का उन्नयन / स्थापित करने का कार्य, एम्स, नई दिल्ली में ओ.पी.डी. ब्लॉक, कार पार्किंग, सुविधा ब्लॉक और उससे संबंधित मास्टर प्लान एवं नवरुपण, कोलकता में चितरंजन राष्ट्रीय केंसर संस्थान हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करना, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली हेतु विस्तृत पुनर्विन्यास योजना, लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलई रिजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मैंटल हैल्थ, तेजपुर तथा पशु-चिकित्सा आर्युवेद अनुसंधान संस्थान, आयुष विभाग, लखनऊ इत्यादि परियोजनाओं का उन्नयन (Up-gradation) कार्य शामिल है।

वर्ष के दौरान, आपकी कम्पनी ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से विदेश में भी व्यापार अवसरों को प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। एच एस सी सी ने डिकोया, श्री लंका में डिस्ट्रीक्ट जनरल अस्पताल हेतु परियोजना प्रबंधन के लिये श्री लंका में अपना साईट ऑफिस स्थापित किया है। इसके अलावा, एच एस सी सी अधिकारियों की एक टीम ने म्यांमार देश का दौरा किया है जिसके अनुसार म्यांमार सरकार से स्वास्थ्य सेवाओं और संबंधित क्षेत्रों में पूर्व व्यवहार्यता अध्ययन हेतु एक परिदृश्य तैयार करने तथा अपने दो मौजूदा अस्पतालों के उन्नयन हेतु प्रस्ताव आया है। एच एस सी सी ने भूटान चिकित्सा विज्ञान संस्थान (BIMS) हेतु थिम्पू, भूटान में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली है।

जबकि विकास और भविष्य के लिए उच्च निर्धारित लक्ष्यों के लिए स्वस्थ चुनौती प्रदान करता है, लेकिन मैं अपने गणमान्य शेयरधारकों को यहां बताना चाहता हूँ कि उत्तर-पूर्व भारत में हमारी प्रमुख परियोजनाएं दीर्घकालीन सगर्भता-अवधि (Gestation Period) के तहत कार्यान्वित हैं। परामर्श-शुल्क की इस धीमी वसुली को और प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान वर्ष में इस धीमी प्रारंभिक प्रक्रिया के कारण भूमि से संबंधित सांविधिक मंजूरियां के मुद्दे, ग्राहक और बजट आवंटन के मुद्दों में शामिल परियोजनाओं के लिए परियोजना के विकास की गतिविधियों से दूर होने से इनके परिचालन और कम्पनी के मुनाफे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, कार्यात्मक आय को तेजी से बढ़ाने, कारोबारी संबंधित क्षेत्रों एवं कार्यकलापों में विस्तार करने के लिये कम्पनी लगातार प्रयत्नशील बनी हुयी है। कम्पनी मे विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के विस्तार हेतु निरन्तर प्रयास भी किये जा रहे हैं।

आने वाले वर्षों में व्यापार विविधीकरण हेतु हमारी परिचालन आय के किनारे के रुप में, एच एस सी सी अब अपने विभिन्न ग्राहकों को जहां बिल्डिंग इंजीनियरिंग रख-रखाव सेवाएं प्रदान कर रही है जोकि व्यापक परियोजना प्रबंधन सेवाओं से ओत-प्रोत है। आने वाले वर्ष में ग्राहक और बाजार की जरूरत को देखते हुये इसे विविधीकरण प्रयासों से ठीक किया जायेगा।

एक जिम्मेदार कॉरपोरेट इकाई के रुप में, आपकी कम्पनी में अच्छे निगमित प्रशासन, आचरण पर देख-रेख और पारदर्शिता, अखंडता, व्यावसायिकता, जवाबदेही तथा उचित प्रकटीकरण के पहलुओं की ओर ध्यान दिया जा रहा है। लोक उद्यम विभाग (DPE) द्वारा निगमित प्रशासन पर निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में, अपेक्षित रिपोर्ट को तैयार करके मंत्रालय में नियमित रुप से भेजा जा रहा है।

वर्ष के दौरान रिपोर्ट के तहत, निगमित सामाजिक दायित्वों को देखते हुये कम्पनी ने गैर सरकारी संगठन (NGO), इण्डियन कैंसर सोसाइटी (ICS) के साथ जरूरतमंद मरीजों को दवाईयाँ प्रदान करने हेतु गठबंधन किया है जिसके लिये कम्पनी ने 4.30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। वर्ष 2010-11 के निर्धारित समझौता ज्ञापन (MOU) के तहत, कम्पनी को परियोजना उपलब्धियों की समाप्ति तथा उनमें सुधार करने हेतु इसे पूर्णतयाः सक्षम किया गया है। कम्पनी ने एक पायलट परियोजना के रुप में जैव चिकित्सा अपशिष्ट इन्सीनेटर सुविधा के डिजाइन को समय पर पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त अलावा, वर्ष 2010-11 के समझौता ज्ञापन (MOU) के तहत, कम्पनी ने 100 बिस्तरों वाले कैंसर अस्पताल का विकास, मेडिकल कॉलेज में 50 सीटों सहित 100 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु अस्पताल को स्थापित करने हेतु साध्यता रिपोर्ट तैयार कर ली है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का बहुमूल्य समर्थन, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं शेयरधारक सदैव हमारे शक्ति-स्रोत रहें है। कम्पनी को प्रदान किये गये बहुमूल्य मार्ग-दर्शन, सहयोग और समर्थन के लिये मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ।

मैं कम्पनी के मूल्यवान ग्राहकों, विदेश मंत्रालय, राज्य सरकारों और अन्य बिजनेस एसोसिएट्स द्वारा उनके निरन्तर समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद देता हूँ। कम्पनी का ध्यान, हमेशा की तरह ग्राहकों की संतुष्टि पर केंद्रित रहेगा।

मैं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C A G), सांविधिक लेखा परीक्षकों तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों का भी उनके मूल्यवान सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

समस्त क्षेत्रों में कर्मचारियों द्वारा उनके उत्साह, उमंग, निष्ठा एवं समर्पण भावना के लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ जिनके कारण कम्पनी निरन्तर विकास एवं वृद्धि करते हुये उत्कृष्ट बनी हुई है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाली चुनौतियों का सामना एवं ग्राहकों की संतुष्टि को केंद्रित करते हुये कम्पनी निरन्तर विकास करती रहेगी।

धन्यवाद,

(वी. सी. शर्मा)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
15 सितम्बर, 2011

दिनांक 26.09.2010 को स्पोर्टर्स इंजरी सेंटर, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली का माननीय प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा उद्‌घाटण

दिनांक 4 एवं 5 फरवरी, 2011को रायबरेली में आयोजित स्वास्थ्य मेले में एच एस सी सी स्टाल पर यू.पी.ए. अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी का आगमन

दृष्टि

भारत एवं ओवरसीज देशों में हैल्थकेयर से जुडी मूल्य-वर्द्धित, समन्वित एवं नवीनतम सेवाओं को उपलब्ध करवा कर इसके विद्धवान संव्यवसायिक कर्मचारियों के साथ मिलकर विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनााओं में बल-वर्द्धक एवं कुशलतम कार्य-संस्कृति का निर्माण करनी वाली प्रमुख कम्पनी के रूप में जाना जाये।

उद्देश्य

भारत एवं ओवरसीज देशों में भवनों का निर्माण एवं विकास तथा हैल्थकेयर तथा संबंधित अन्य क्षेत्रों में परामर्शदायी संबंधी सेवाओं तथा व्यापक संकल्पना, प्रोजैक्ट परियोजना, वास्तुविद्ध, इंजीनियरिंग, परियोजना प्रबंधन, प्रापण संबंधित कार्यों के विद्धता-पूर्वक ढांचे को उपलब्ध करना।

कॉरपोरेट मूल्यांकन

- ग्राहकों की मूल्यवृद्धि पर विशेष ध्यान देना।
- संगठन के अन्दर सृजनशीलता एवं नवीनता को विकसित करना।
- विद्धता संगठन का सर्जन करना।
- टीम-स्प्रीट - को अपनाकर हमारे समस्त कार्यकलापों को योग्य बनाना।

कॉरपोरेट गुणवत्ता नीति

स्वास्थ्य देखभाल एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में उत्कर्ष परामर्शी सेवाएं प्रदान करके नेतृत्व और ग्राहक के प्रति विश्वास की भावना बनाए रखना ।

सेवा वर्णक्रम

संकल्पनात्मक शिक्षण एवं प्रबंधन परामर्श

- पुर्नवास आधारभूत सर्वेक्षण एवं अर्थशास्त्र शिक्षण
- जानपदिक सर्वेक्षण
- निकाय योजना
- साध्यता शिक्षण
- पुनर्निर्माण / पुनर्गठन शिक्षण
- मूल्यांकन शिक्षण

अभियांत्रिक शिक्षण

- नवरूपण / पूनर्वास
- आधुनिकीकरण / उन्नयन
- विस्तार
- उत्पादकता / कार्यकुशलता संशोधन

सुविधा डिजाइन

- संकल्पनात्मक डिजाइन
- प्रमुख डिजाइन
- वास्तुविद्यात्मक डिजाइन / योजनाएं
- अभियांत्रिक डिजाइन
- उपस्कर योजना
- व्यर्थ प्रबंधन
- डिजाइन समन्वय

परियोजना प्रबंधन

- ठेकेदारों के चयन सहित परियोजना योजना तथा कार्य का पुरस्कार
- परियोजना निगरानी
- गुणवत्ता नियंत्रण
- निर्माण पर्यवेक्षण
- ठेकों का प्रशासन
- वित्तिय नियंत्रण

प्रापण

- औषधियां एवं दवाईयां
- मेडिकल उपस्कर
- अन्य उपस्कर
- संचार माध्यम
- उपयंत्र
- फर्नीचर एवं जुड़नार

लॉजिस्टीक्स एवं स्थापना

- परिवहन
- समाशोधन एवं अग्रेषण
- साईट वितरण
- स्थापना
- जांच–पड़ताल एवं चालू करना
- प्रशिक्षण

सूचना तकनीक

- स्वास्थ्य एम आई एस
- कार्यप्रणाली समाकलन